# ग्लोबल फार्मास्युमटिकल क्वालिटी समिट 2022 में फार्मास्युटिकल्स बनाने पर जोर

**साझा मकसद संवाददाता**

नई दिल्ली। इंडियन फार्मास्युटिकल्स अलायंस (आईपीए) द्वारा आयोजित दो–दिवसीय ग्लोबल फार्मास्युटिकल्स क्वालिटी समिट 2022 का बीती रात सफल समापन हुआ। इस आयोजन में उद्योग के नेतृत्वोकर्ताओं और परितंत्र के विनियामकों ने परिचालन, टीकों के विकास और स्था यित्वा में उत्कृ इष्टेता एवं गुणवत्तात अर्जित करने पर विचार–विमर्श किया। विभिन्न उद्योगों के नेतृत्व कर्ताओं ने फार्मास्युटिकल्स उद्योग के लिये नवाचार, टेक्नोलॉजी और संभावित शिक्षाओं पर अपने विचार भी साझा किये।

इस दिन का मुख्य आकर्षण था 'एक सिरे से दूसरे सिरे तक स्थोयित्वापूर्ण परिचालन एवं गुणवत्तम में उत्कृष्ट्ता– आगे का मार्ग' विषय पर पैनल चर्चा, जिसमें भारत की अग्रणी फार्मास्यु टिकल कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया, जैसे सिप्लाग, डॉ. रेड्डीज, ल्यूगपिन, सन फार्मा, टोरेंट और जाइडस। सत्र का संचालन मैकिंसी एंड कंपनी के सीनियर पार्टनर गौतम कुमरा ने किया था।

बायोसिमिलर्स जैसे नये साधनों पर अपने विचार रखते हुए, सिप्लाय के सीईओ उमंग वोहरा ने कहा, "हमने जेनेरिक्सन के लिये आंतरिक आधार पर अपनी तकनीकें विकसित की हैं और अब हमें उनके साथ मिलकर काम करना है, जो ऐसा पहले ही कर चुके हैं और फिर इसका फायदा उठाना है। कुछ तकनीकों के लिये जो प्रतिभा चाहिये, वह भारत में मौजूद नहीं है, इसलिये वैश्विक भागीदारों के साथ मिलकर काम करने से यह समस्याा दूर करने में मदद मिलेगी।"

डिजिटाइजेशन के सफर की चुनौतियों के बारे में डॉ. रेड्डीज के को–चेयरमैन जी वी प्रसाद ने कहा, "डिजिटलाइजेशन को रोका नहीं जा सकता, लेकिन डिजिटाइज करने में अब भी एक चुनौती है, क्यों कि डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया के प्रभाव को बढ़ाने के लिये मौलिक प्रक्रियाओं की दक्षता और समझ चाहिये। उद्योग के नेतृत्वपकर्ताओं को ज्यादा कुशल होना होगा, डाटा के आधार पर नेतृत्वक के फैसले करने होंगे, जिनमें विज्ञान के साथ आम समझ भी हो।"

गुणवत्ताम पर अपना विचार स्पष्ट करते हुए, ल्यू पिन के प्रबंध निदेशक नीलेश गुप्ता ने कहा, "गुणवत्ता और अनुपालन का मुद्दा कंपनी के लिये अपना होता है और इस तरह के फोरम्स ने उसमें बदलाव किया है, जिन्होंने हमें साझा लक्ष्यि की दिशा में काम करने की अनुमति दी है। सूचना साझा करना एक बड़ा सहयोग–तंत्र रहा है। हम दुनिया की फार्मेसी के रूप में जाने गये हैं और यह स्थिति पाना हमारा सौभाग्य है। खुले संवाद को बढ़ावा देने वाले ऐसे फोरम्स की सहायता से हम अगले 5 वर्षों में श्रेणी में सबसे बेहतर के रूप में जाने जाएंगे, जो बहुत अच्छीा बात है।"

कोविड–19 के दौरान आपूर्ति श्रृंखला में आई गंभीर बाधा पर अपनी बात रखते हुए सन फार्मास्यु टिकल के प्रबंध निदेशक श्री दिलीप शांघवी ने लचीलता की क्षमता निर्मित करने पर कहा, "मदद पाने के लिये विकल्पे निर्मित करना महत्व पूर्ण है। सरकार की पीएलआई स्कीमें एक आत्मनिर्भर आपूर्ति श्रृंखला बनाने में सहायता कर रही हैं और उन्होंवने महामारी के दौरान सक्षम आपूर्ति में मदद की थी। फिर भी हमें अभी एक लंबी दूरी तय करनी है और धीरे–धीरे हम कमी को पूरा कर लेंगे।"

उद्योग में परिचालन एवं गुणवत्ता के सबसे बड़े प्रचलनों के बारे में जाइडस लाइफसाइंसेस के चेयरमैन श्री पंकज पटेल ने कहा, "कोविड–19 ने हमारा ध्यान तकनीक और ऑटोमेशन पर केन्द्रित किया है और विनिर्माण तथा आपूर्ति श्रृंखला में हमारे डिजिटल प्रवेश का आरंभ किया है। एपीआई के मामले में भी, विनिर्माण के लिये नई तकनीकें भी उभरी हैं और बायोसिमिलर के बाजार में प्रवेश पर विचार किया जा सकता है।"

इसके बाद पैनल ने पर्यावरणीय, सामाजिक एवं कॉर्पोरेट संचालन पर चर्चा की। इससे पहले, एक विशेष सम्बोधन में डब्यूोरे एचओ के रेगुलेशन एंड प्रीक्वाकलिफिकेशन डिपार्टमेंट के डायरेक्टर डॉ. रोजेरियो गैस्पेर ने "फार्मास्युटिकल परिचालन एवं गुणवत्तो का भविष्य" विषय पर बात की। "टीकों का विकासरू टीकों के विनिर्माण में डिजाइन से लेकर आपूर्ति" विषय पर पैनल चर्चा को डॉ. निवेदिता गुप्तो, साइंटिस्ट एफ एवं हेड, वायरोलॉजी यूनिट, आईसीएमआर ने सम्बोडधित किया और इसमें डॉ. कपिल मैथल, प्रेसिडेंट, वैक्सीयन्सि एंड डायग्नोस्टिक्स , जाइडस और डॉ. संजय सिंह, सीईओ, जेनोवा बायोफार्मास्यु टिक्सथ ने भाग लिया। इसका संचालन श्री शिरीष बेलापुरे, सीनियर टेक्निकल एडवाइजर, आईपीए ने किया था। एक अन्यभ पैनल चर्चा ंविभिन्नब उद्योगों में गुणवत्तान उत्कृसष्टता एवं फार्मास्युोटिकल्सए के लिये संभावित शिक्षाएं" विषय पर हुई, जिसे क्वोलिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन श्री आदिल जैनुलभाई ने सम्बो धित किया और जिसमें डॉ. रंजना पाठक, प्रेसिडेंट, ग्लोडबल क्वामलिटी, मेडिकल अफेयर्स एवं फार्मेकोविजिलेंस, सिप्लाई, श्री नंदकुमार कुलकर्णी, सीनियर डायरेक्टर, इंटीग्रेटेड सप्लांय चेन, मोंडेलेज और श्री विजय कालरा, हेड, महिन्द्रा इंस्टिट्यूट ऑफ क्वोलिटी एवं चेयरमैन, सेंट्रल सेपटी काउंसिल फॉर महिन्द्रा ग्रुप ने भाग लिया।